जन आन्दोलनों का राष्ट्रीय समन्वय, बिहार

National Alliance of People's Movement (NAPM), Bihar

केमिकल मजदूर सभा, हाजी हबीब बिल्डिंग, नायगाव क्रास रोड, दादर(पूर्व), मुंबई 400014

Email- napmbihar@gmail.com web- www.napm-india.org ph: 09973363664

बगहा गोली कांड रिपोर्ट

बगहा में २४ तारीख को नौरंगिया थाना के अंतर्गत कटहरबा में पुलिस ने भीड़ पर गोली चलायी जिसमे ६ लोगों की जान गयी और दर्जनों लोग घायल हुए. मारे गए सभी थारु नाम के आदिवासी समुदाय के थे. सरकार ने उसके बाद दो अफसरों का एक संयुक्त जाँच दल गठित किया. जांच दल ने अपनी रिपोर्ट जारी की और वह गृह विभाग के वेबसाइट पर है. जाँच दल बिना सघन जांच किये इस निष्कर्ष पर पहुँची कि पुलिस ने जान बचाने के लिए गोली चलाई. जांच रिपोर्ट के आलोक में पुलिस पर हल्की-फुल्की कार्रवाई हुई है. सरकार ने नौरंगिया के थाना प्रभारी को निलंबित किया है और बगहा के एस.पी और डी.एस.पी का तबादला किया है. सरकार ने न्यायिक जांच का भी आदेश दिया है. इन घटनाओं के आलोक में **जन आंदोलनों का राष्ट्रीय समन्वय की एक चार सदस्यीय टीम ३०.६.१३ को बगहा गयी**. टीम ने दरदरी, कटहरबा और देवताहा के कई ग्रामीणों से बातचीत की. टीम ने मारे गए और घायल हुए लोगों के परिजनों से भी मुलाकात की. टीम नौरंगिया थाना भी गयी पर वहाँ न तो मुंशी थे और न ही थाना प्रभारी. थाना प्रभारी से फोन पर बातचीत हुई. थाना प्रभारी घटना के बाद पदस्थापित हुए हैं और बहुत कुछ बताने की स्थिति में नहीं लगे. **२ जुलाई को तीन सदस्यीय टीम** ने PMCH जाकर घटना में घायल लोगों से बातचीत की. टीम ने घायल पुलिसकर्मियों की खोज भी की पर उनके बारे में थाना प्रभारी नौरंगिया, एस.पी बगहा और डीएम पश्चिम चम्पारण से कुछ पता नहीं चला. डी.एम और एस.पी से फोन पर बातचीत करने की कोशिश की गयी. जब बातचीत नहीं हो पायी तो उन्हें SMS किया गया पर उनका जवाब नहीं मिला.

दरदरी गाँव के पप्पू काजी /रामनारायण काजी, अजय कु काजी/प्रेम नारायण काजी, टेकमन महतो/श्यामलाल महतो के साथ हुई बातचीत के आधार पर घटना का विवरण.

दरदरी गाँव का चंद्रेश्वर काजी माइक और साउंड का काम करते हैं. बगल के गाँव देवताहा में हो रहे भागवत पाठ में उन्होंने साउंड का काम लिया था. १५ जून की रात में वह अंतिम बार अमवां गाँव के रविकेश नाम के व्यक्ति के साथ देखे गए और तब से गायब हैं.चंदेश्वर काजी की शादी घटना के बस एक महीना पहले ही हुई है. १६ जून के शाम से लोगों ने उन्हें खोजना शुरू किया. १८ तारीख को दरदरी के कुछ ग्रामीण मिलकर नौरंगिया थाना गए और रिपोर्ट लिखाने की कोशिश की. थाना प्रभारी विनय कुमार ने कहा कि आपका वाल्मीकि नगर थाना पड़ता है वहाँ जाईये. १९ तारीख को सवेरे जब वाल्मीकि नगर थाना गए तो वह थाना प्रभारी बोले कि जहाँ घटना हुई है वह नौरंगिया थाना में

पड़ता है आपलोग वहाँ जाएँ. १९ तारीक को ही नौरंगिया थाना गए, थाना प्रभारी नहीं थे. मुंशी ने आवेदन लिया और कहा कि २० तारीख को थाना प्रभारी से बात कर लीजियेगा. २० तारीख को गए तो मुंशी ने कहा कि थाना प्रभारी बगहा गए हैं कल आइयेगा. २१ तारीख को सवेरे ७ बजे सुबह ग्रामीण थाना पर पहुंचे और थाना प्रभारी से मिले. उन्होंने कहा कि लड़का का फोटो दे दीजियेगा. उसी दिन १२ वजे लड़के का फोटो दे दिया. २२ तारीख तो रविकेश को नामजद बनाते हुए प्रतिमिकी के लिए आवेदन दिया. २३ जून तक जब पता नहीं चला तो २४ तारीख को गाँव के कई लोग थाना पर गए, आसपास के गाँव के लोग भी साथ में हो लिए. सैंकडो लोग थे. थाना में पुलिस ने कहा कि लाश की सूचना मिली है चलिए लाश बताते हैं. लोग वापस लौटे. पुलिस दरदरी पहुँची और दरदरी के अजय कु काजी, जिसने चंद्रेश्वर को लापता होने के पहले देखा था अपने साथ लेकर उन स्थानों पर गयी जहां अजय ने चंद्रेश्वर को देखा था. पहले देवताहा ले गए फिर अमवां ले गए. रास्ते में कटहरबा के पास पुल पर बहुत लोग जमा थे. लाश का हल्ला हुआ था. पुलिस के साथ अजय भी गए जहाँ लाश का हल्ला था. लोगों ने पुलिस को घेर लिया, कहा कि लाश कहाँ है. लोगों ने कहा कि आप लाश बताईये नहीं तो जो मुजरिम बंद किये हैं उसे लाईये लाश बताने. पुलिस कहने लगी कि मुजरिम को बुला रहे हैं लेकिन मुजरिम को बुलाने के बजाय उन्होंने अतिरिक्त पुलिस बुला लिया. अतिरिक्त पुलिस आने के बाद सब पुलिस वहाँ से निकलने लगी. महिलाओं ने उनको घेरा और विरोध किया तो महिलाओं पर लाठी चार्ज हुआ. बुरी तरह से महिलाओं को पीटा गया. लोगों ने फिर आक्रोश में हल्का फुल्का पथराव किया जिसके जबाब में पुलिस ने पहले हवाई फायर किया फिर लोगों पर गोली चलायी.

जन आंदोलनो का राष्ट्रीय समन्वय(NAPM) का तीन सदस्यीय जॉच दल ने 2 जुलाई 2013 को दोपहर से पटना मेडिकल कालेज का दौरा कर बगहां पुलिस गोली काण्ड के घायलों से बात-चीत किया.

घायल सं01: हरिनारायण महतो पिता श्री पोल्हा महतो, उम्र लगभग 30 वर्ष, पेशा-राजमिस्त्री, ग्राम- दरदरी के निवासी हैं। PMCH के ट्रैक्शन वार्ड के बेड सं0 41 पर भर्ती, जिनके मामा तिमारदारी में लगे है। बातचीत का समय 1.15pm से 1.35pm तक। एक गोली दाहिने बांह में कंधा से लमभग 5 इंच नीचे लगी है

उन्होने बताया कि मैं नवतनवा कांम करने गया था, मैं राजमिस्त्री हूँ। वहां दो रोज पहले ही काम पर गया था. घटना के दिन आधा दिन काम करके अन्य साथ में काम कर रहे दो लोगो को काम सौप कर घर आ रहा था। वर्षा समाप्त हो गई थी और लगभग 2.30 का समय होगा नहर से आते वक्त मैंने देखा कि 'लोग पुलिस के घेरले रहे, सब कहत रहे कि लाश निकाल के दे, रविकेश के बोलाव ना त ओकरा नक्सा के हिसाब से लाश निकाल के द। बड़ा बाबू कहलें कि फोन पर

ओकरा से बात हो गईल। वे पुलिस को बुला लिये। | खेत से जब पुलिस लोग धीरे-धीरे निकलने लगे तो महिलायें उन्हे घेरने लगी कि बिना लाश निकलवायें काहें भाग रहें है। उसके बाद महिलायों पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया। उसके बाद कुछ लोग छोटे-छोटे रोड़े फेके। उस समय वर्षा हुई थी जिससे आस- पास पानी भी थोडा बहुत था। पूरब पश्चिम रोड है। पुल से पुरब मुसहरी है। पुलिस गोली चला दी। खेत में ज्यादा पुलिस आ गई थी। लोग दौड नही रहे थे आराम आराम से पुलिस के पीछे पीछे जो रहे थे | हजारों की सं0 में लेाग थे। पुलिस वाले एकाध गोली उपर चलाई और उसके बाद निशाना बनाकर गोली मार रहे थे। दुहरा कर भी गोली मार रहे थे कि लोग मर जाय। मुझे गोली लगने के बाद मैं गिर गया बेहोश नही हुआ था। बांह में गोली लगने के बाद बांह टुट गई थी कुछ लोग उठाये, बाद में मेरा भाई आया जो मुझे पकड़ लिया और मुसहरी मे ले जा कर एक आदमी के घर में छुपा दिया। जहां से इलाज हेतू ले जाया गया। पहले हरनाटॉड़ हॉस्पीटल में ले गये, पुनः रेफर हो कर बगहॉ आया, पुनः वहां से रेफर हो कर बेतिया और वहां से भी रेफर हो कर पी0एम0सी0एच0 आया। मै राजमिस्त्री हूॅ और जिस हाथ से काम करता हूॅ वही हाथ बेकार हो गया कैसे मेरा जीवन चलेगा। 50000रू का चेक मिला है। पी0एम0सी0एच0 में डा0 भरत सिंह देख रहे हैं। कल ही ड्रेसींग का डेट था पर अब तक नही हुआ।

घायल सं0 2: मदन महतो, पिता श्री सीताराम महतो, उम्र लगभग 28 वर्ष, पेशा-सिलाई बाहर पलायन कर के और घरपर खेती कार्य, ग्राम- कटैया के निवासी हैं। PMCH के ट्रैक्शन वार्ड के बेड सं0 42 पर भर्ती जिनके पिता, भाई संतलाल व बालकिसुन तिमारदारी में लगे है बातचीत का समय 1.36pm से 2.00pm तक। एक गोली बायें जॉघ में और दुसरी दाहिने हाथ के किनारे लगी है।

उन्होने बताया कि घटना स्थल मेरे गांव से दो गांव के बाद की बात है, मैं अपने घर से बारिश खत्म होने के बाद नहर के रास्ते से अपने बहन के घर धूमवां टॉड साईकिल से जा रहा था। मुझे मैटर क्या है उसका कोई पता नही हैं। रास्ते में नहर पर भीड़ देखकर एक किनारे खड़ा हो गया। मेरे बगल से पुलिस जा रही थीं, उसके पीछे-पीछे लोग भी लगभग 10 कदम की दुरी पर जा रहे थे। कोई दौड़ा दौडी नही हो रहा था और न ही कोई पुलिस या पब्लिक में मारपीट ही हो रहा था। तब फायरिंग हुई लोग इधर-उधर भागनें लगे मै भी भागने का प्रयास किया सड़क के किनारे से बीच तक ही आया कि गोली मुझे लगी और मैं गिर गया। उस समय मैं होश में था और मेरे दोस्त का कॉल आ रहा था मै अपना मोबाईल रिसीव करके दोस्त को बोला कि मुझे गोली लग गयी है । मुझे बात करता देखकर पुलिस वाले बोले कि बात कर रहे हो तो अभी फिर गोली मारेगें जिसपर मैं बोला कि मार दो मुझे इतने में एक पुलिस वाला मेरा मोबाईल छिन लिया। मेरे मोबाईल में दो

सिमकार्ड था पहला बिहार का था जिसका नं0 9973549251 है, और दुसरा गुजरात का था जिसका नं0 8469759443 है। अभी तक मोबाईल पुलिस वाले रखे हैं। इसके बाद पुलिस पहली जीप में हमें गनेश और कोई एक और था, बोरे की तरहे फेक कर जीप मे लादकर अस्पताल लाई। लादते समय भी मुझे चोट लगी। कोई पुलिस वाला घायल नहीं था। कोई पुलिस हमसे बयान नहीं लिया है। पुलिस वाले हमें बर्वाद कर दिये इसलिए उन्हे जरूर सजा मिलनी चाहिए फांसी होना चाहिए। आम आदमी को ऐसे थोड़े मारा जाता हैं। 50000रू का चेक मिला है पर उससे क्या होगा मेरे बच्चो का परवरिश कैसे होगा। सरकार नौकरी देगी कि नहीं कौन जानता?

घायल सं0 3: रीतीक कुमार, पिता श्री जोखन महतो, उम्र लगभग 14 वर्ष, पेशा-9वीं कक्षा का छात्र, ग्राम-सेमरी डीह के निवासी हैं। PMCH के ट्रैक्शन वार्ड के बेड सं0 43 पर भर्ती जिनके साथ राजकुमार महतो तिमारदारी में लगे है बातचीत का समय 2.01pm से 2.15pm तक। गोली बायें हाथ की केहुनी में लगी है।

उन्होने बताया कि मै सक्सेस प्वाईंट में हरनाटॉड कोचिंग से पढ़ कर वापस घर आ रहा था रास्ते में नहर पर भीड़ देखकर रूक गया वहां पुलिस आगे आगे जा रही थी और पब्लिक पीछे-पीछे तेजी में जा रही थी एकाएक गोली चली मै भागने की कोशिश किया, एक दो गोली हवा में चली होगी लोगो को लगा कि पुलिस आदमी को थोडे मार देगी परन्तू थोडे समय में मुझे भी एक गोली लगी और मै गिर गया पब्लिक उठाई पर बांध पर छोड़ कर लोग चले गये। मैंने किसी पुलिस वाले को घायल नहीं देखा। दोषी पुलिस वालो पर कठोर से कठोर कारवाई होना चाहिए।

घायल सं0 4: कमलेश राय पिता श्री बशंराज राय , उम्र लगभग 22 वर्ष, पेशा-खेती का कार्य, ग्राम-अमवां के निवासी हैं। PMCH के ट्रामा वार्ड के बेड सं015 पर भर्ती, उनके साथ उनके पिता तिमारदारी में लगे है बातचीत का समय 2.18pm से 2.32pm तक। गोली दाहीने हाथ की केहुनी के पास लगी है और दाहिने पेट के पास (पजरी) भी गोली से छिल गया है।

उन्होने बताया कि मै उस दिन घर पर था जब फायरिंग की आवाज हुई तो मेरे घर के लोग बोले कि मेरा छोटा भाई नीतेश घर पर नहीं है देखो भीड़ की तरफ तो नही गया है मै उसे खोजने के लिए निकला। नहर पर गया तब तक मुझे भी गोली लगी मै गिर गया जिसके बाद घर के लोग उठाकर अस्पताल पहुंचाये।

घायल सं0 5: राजेश दहित पिता श्री झक्कड़ दहित पेशा-छात्र, ग्राम-नौंरगिया के निवासी हैं। PMCH के ट्रामा वार्ड के बेड सं0 19 पर भर्ती, उनके साथ गनेश दहिया तिमारदारी में लगे है। बातचीत का समय 2.33pm से 2.48pm तक। गोली बायें पैर के घुट्ठी में लगी है।

उन्होने बताया कि मै उस दिन मै बाजार हरनाटॉड़, कपड़ा(पाईन्ट-शर्ट) खरीदकर वापस घर आ रहा था मै रास्ते में भीड़ देख कर थोडी देर रूका। मै धीरे-धीरे भीड़ को पार करके आगे निकल गया तभी मुझे गोली पैर के घुट्ठी में लगी मैं गोली लगने के बाद भाग कर मुसहरी में छिप गया। बाद में अस्पताल आया। पुलिस गांव में नही आई। गोली अभी भी पैर के अन्दर है निकाली नहीं गई है। मुझे नही मालूम कि पुलिस काहें गोली चलाई। मैं किसी पुलिस वाले को घायल नही देखा न ही मै कोई ईट-पत्थर ही चलते देखा।

घायल सं0 6: शिव मोहन पिता श्री जीम्दे मोहन उम्र 16 वर्ष लगभग, पेशा-छात्र, ग्राम-कटहरवां के निवासी हैं। PMCH के ई0एफ0 वार्ड के बेड सं0 1 पर भर्ती उनके साथ उनके भाई चेत नारायण तिमारदारी में लगे है बातचीत का समय 2.50pm से 3.05pm तक। गोली पेट में लगी है।

उन्होने बताया कि जब हल्ला हुआ कि लाश मिली है तो मैं भी साईकिल ले कर उसे देखने गया। वहां खेत में लाश नहीं मिली तो लोग कह रहे थे कि पुलिस पैसा ले लिया है। लोग लाश निकालने की बात कर रहे थे। उसी बीच पुलिस वाला एक दो लडका सब को पीट दिया। खेत में महिलायों पर भी पुलिस ने लाठीचार्ज किया। कुछ लड़का गुस्सा में पुलिस की जीप का सीसा तोड़ कर पलट दिया। कुछ रोड़ा छोटा-छोटा फेंका। पुलिस गोली चलाने लगी। मैंने किसी पुलिस को घायल या माथा फुटा नही देखा। मुझे बसवाड़ी के पास गोली लगी मैं वही गिर गया। लोग मुझे वहां से घर, फिर हरनाटॉड़ ले गये जहां से मुझे गोरखपुर मेडिकल कालेज ले जाया गया। वहां का डॉक्टर भी हमें पी0जी0आई0 रेफर कर दिया, पर लोग यहां लाये हैं।

चार सदस्यीय दल ने दरदरी, देवताहा और कटहरबा के कई लोगों से बातचीत की और उनके बयान दर्ज किये.

रमेश कुमार / स्व ब्रह्मदेव खतईत ग्राम देवताहा थाना नौरंगिया (पिता इस घटना में मारे गए) को जांघ में गोली लगी है लेकिन आजतक इलाज नहीं हो पाया है. प्राइवेट डॉक्टर से दिखाने गए थे तो उन्होंने कहा कि "इंजुरी" लाओ तब इलाज होगा. घटना के बाद इतने डरे हुए थे कि जख्म को अनदेखा करते रहे जब जख्म और बिगड़ गया तो प्राइवेट डॉक्टर के पास गए जिसने "इंजुरी" रिपोर्ट लाने को कहा.

रमेश का बयान : पापा-चाचा खाद खरीदने गए थे. हल्ला हुआ तो हम उनको बुलाने गए कि हल्ला हो रहा है आज नहीं जाईये. हम पहुंचे तो उनको (ब्रह्मदेव खतईत को) गोली लग चुकी थी. पैर में गोली लगी थी पर वह जिन्दा थे. पुलिस गोली चलानी लगी तो हम वहाँ से भागने लगे. हमें भी गोली लगी.

केशराज तो अभी बच्चा ही है. काफी सहमा हुआ है. शोर हुआ था कि लाश मिली है तो वह देखने या था

केशराज कुमार / जगदीश खतईत (१० साल) का बयान : हल्ला हुआ था कि लाश मिली है. देखने गए थे तो गोली लग गयी.

हेमंती देवी / स्व धरमजीत खतईत ग्राम देवताहा का बयान (पति इस गोली कांड में मारे गए): पति को उठाने गयी थी. देखा भैसुर ब्रह्मदेव जिन्दा थे खड़े होकर कुछ इशारा कर रहे थे और उन्हें गोली लगी थी. शायद मुझे भागने को कह रहे हों. मेरे पती को आँख में गोली लगी थी. मैं अपने पति को उठाने लगी तो पुलिस कहने लगी मारो इसे गोली. मैं भागकर मुसहरी गयी. पुलिस खोजने लगी और लोगों से पूछने लगे कि पीला कपड़ा पहने महिला कहाँ है. मैं कपड़ा बदल कर किसी तरह मुसहरी से भागी.

बहनोई अनिल प्रसाद/मनबहाली महतो (धरमजीत खत ईत के साले) का बयान: जो राही थे उन्ही को मारा गया है. मेरे बहनोई खाद लाने जा रहे थे तो उनको गोली लगी. छोटा बच्चा क्या पुलिस को मारने जा रहा था जो उसे गोली लगी है ?

इसी गाँव की लीलावती देवी/ रामेश्वर ओजहिया को पुलिस ने इतने बेरहमी से पीटा कि वह सहम सी गयी हैं. हमसे मिलने को भी तैयार नहीं थी. बार-बार यह कहने पर कि हमलोग पुलिस नहीं है वह कुछ आश्वस्त हुई पर भय चेहरे पर साफ़ दिख रहा था. लाश जब नहीं मिली तो पुलिस जाने लगी. औरतों से उनकी झड़प हुई तो उन्होंने उनपर लाठी चार्ज किया. लीलावती देवी को बेरहमी से पीटा गया.

लीलावती देवी/ रामेश्वर ओजहिया का बयान: पुलिस ने बहुत मारा है. इधर और इधर (शरीर के हिस्स्सों के तरफ इशारा करती हुई)

राजेश मुसहर/बंसी मुसहर ग्राम कटहरबा का बयान : गोली चली तो हम यहीं थे. पहले हवाई फाईरिंग हुई. किसी सिपाही को पत्थर लगा फिर गोली चलने लगी. कुछ लोग जो गोली चलने के बाद उठने की कोशिश करने लगे तो उनको फिर गोली मारी गयी.

गौर मुसहर / रामदत्त मुसहर का बयान ग्राम कटहरबा : लाश नहीं मिला तो महिला लोग गरियाने लगी. पुलिस ने एक दो हाथ लगा दिया तो फिर महिलाएं गरियाने लगीं. फिर पुलिस लोगों को चहेटने लगी. पुल पर से आकर उन्होंने कुछ दूर से गोली चलाना शुरू कर दिया.

तेतरी देवी/गौर मुसहर : एक बच्चे को गोली लगी थी वह गिरा हुआ था . उसे पुलिस ने पैर से गर्दन दाब कर मार दिया. मैंने खुद नहीं देखा डर के छुपी हुई थी पर लोग बोल रहे थे.

सरस्वती देवी /मंभाली मुसहर : पांच लोगों को जिनको गोली लगी थी पर जिन्दा थे को मैं घर ले गयीं. बाद मैं उनके परिवार वाले आकर उन्हें ले गए. करीब १० मिनट गोली चली. गोली वहाँ से चली, उस पेड़ के पास से (पेड़ की ओर इशारा करते हुए)

हरेंदर प्रसाद/ शीतल महतो ग्राम महुआ टाड: हड्ना तांड जा रहे थे रास्ते में थे. पुलिस और लोगों में झड़प हुई. पुलिस ने महिलाओं को मारा. लोगों ने आकर जीप को उलट दिया. लोग भी पुलिस को मारना चाहते थे. पत्थर चला रहे थे. मैंने किसी पुलिस को घायल होते/गिरते नहीं देखा. इधर रोड पर यहां (इशारा करते हुए) आकर पुलिस ने फाईरिंग शुरू कर दी. गोली चली तो हम उधर मुंह भागने लगे.

भीम महतो/पदुम महतो ग्राम दरदरी (मृत भुगदेव कुमार के पिता): पटना से इंटर कर चुका था भुगदेव और कोटा जाने कि तैयारी कर रहा था. तीन बजे के करीब बाजार जा रहा था. जब गोली चली तो आवाज हुआ. सुने तो मोबाइल पर फोन किये. दो तीन फोन बार लगाये. फोन नहीं उठाया तो लगा की कुछ घटना हो गयी है. फिर गए देखने तो पता चला पुलिस जाने नहीं दे रही है, बहुत पुलिस था वहाँ. डर कर वापस आ गए. रात में डी.एम साहब आए और लाश जाकर पहचानने को कहा. रात में तब गए. पोस्टमार्टम हुआ, रिपोर्ट नहीं दिया. लाश हमने माँगा पर हमें लाश नहीं दिया गया. मैंने कहा की हमलोग परम्परा मानते हैं लाश देखने के बाद संतुष्टी घर के लोगों को हो जायेगी. हमने बहुत कोशिश की पर लाश नहीं दिया. उन्होंने कहा की लाश ले जाओगे तो पैसा नहीं मिलेगा. हमने कहा कि पैसा को गोली मारो, हमें लाश चाहिए. लव-कुश घाट पर प्रशासन द्वारा जला दिया गया. हम २४ तारीख को रात भर वहीं थे २५ के रात को घर पहुंचे. करीब २४ वहाँ थे. इतने देर में बिस्कुट और नमकीन दिया गया. हमलोग पुलिस पर केस किये हैं पर तारीख गलत लिखा गया है. घर में लोग डरे हुए हैं. चिराग पासवान आए थे हमारे यहाँ. मैं नहीं था. २२ गाडियां थी. घर के लोगों को लगा कि पकड़ने आए हैं. वह बहुत डरे हुए हैं. कहते हैं कि केस मत करो. पांच लाख रुपया मिला है.

रायसुल खातून/ बिहारी राय ग्राम दरदरी (बेटा असलीम आलम उम्र २० साल घायल हुआ है) : हड्ना तांड से आ रहा था काम कर के. मजदूरी करते थे. पीठ में गोली लगी है.हमसे बात नहीं हुई है. पटना में इलाज हो रहा है. अभी तक गोली नहीं निकली है ऐसा उसके पिताजी ने कहा.

मोहन महतो/ पोहना महतो (भाई हरिनारायण महतो उम्र ३२ साल को गोली लगी): मिस्त्री का काम करते हैं. काम करके वापस आ रहे थे. पहले हड्ना तांड गए वहाँ से बेतिया रेफर किया फिर पटना. पुलिस ने आंसू गैस नहीं छोड़ा, उनकी गलती है. ऐसा सुना कि औरत लोगों पर लाठी चार्ज हुआ. हमलोग अनपढ़ हैं जानते नहीं है तो कैसे केस करें.

चन्द्रिका काजी/ चुल्हाई काजी ग्राम दरदरी (लड़के सुरेंदर महतो उम्र २२ साल को गोली लगी): बांह पर गोली लगी है. कोचिंग कर के हड्ना तांड से वापस आ रहे थे. १२ क्लास में पढते हैं. बेतिया में इलाज चल रहा है. गोली लगने के बाद वह घर आ गया था अपने. २५ हजार का चेक मिला है.

भोला महतो / अलाही महतो (बेटा गया महतो उम्र २० साल के पीठ में गोली लगी) कटहरबा में मेरी छोटी दूकान है वहीं से वह आ रहा था. गोली लगी तो वह भाग कर घर आ गया. बेतिया में इलाज चल रहा है. २५ हजार रु मिला है.

नयनतारा देवी/रूपनारायण महतो (बेटे मुकेश कुमार उम्र १७ वर्ष को पैर में गोली लगी है): ट्यूशन कर के हड्ना तांड से आ रहा था. बेतिया में इलाज हो रहा है .

राधिका देवी / चंदर महतो (बेटे गणेश कुमार उम्र १९ साल को गोली लगी): इसके पिताजी कहते हैं कि ठीक है. दिल्ली ले गए हैं उसको. हमसे बात नहीं हुई है. मुझे पता नहीं क्या हाल है. प्रशासन से कोई खबर नहीं आयी है. हमारे लड़के को ठीक कर दिया जाए. जिसने गोली चलायी है उसे सजा मिलनी चाहिए.

लोगों की बात सुनने और घटना स्थल का मुआयना करने के बाद हम निम्न निष्कर्ष पर पहुंचे हैं:

१. चंद्रेश्वर महतो के गायब होने के बाद पुलिस ने तुरंत इसका संज्ञान नहीं लिया बल्कि पहले से परेशान दरदरी के लोगों को घुमाते रहे. इससे पुलिस के प्रति संशय कि स्थिति उत्पन्न हुई.
२. २४ तारीख को थाना का घेराव थाना के निष्क्रियता के फलस्वरूप ही हुआ. थाना के घेराव के दौरान पुलिस ने लाश वाली बात क्यों कही ? क्या वह भीड़ को वहाँ से हटाना चाहती थी ? लाश का पता पुलिस को कैसे लगा? पुलिस ने बिना तफ्तीश किये इसकी जानकारी लोगों क्यों दी ? इन सारे सवालों का जवाब एक निष्पक्ष जांच से ही पता चल सकता है. अगर इसमें किसी तरह की साजिश थी तो उसके पीछे कौन था ?
३. घटना स्थल पर पहुँचने के बाद पुलिस ने लोगों से अच्छा बर्ताव नहीं किया इसलिए बात और बढ़ी. पुलिस को संयम के साथ लोगों की बात सुननी चाहिए थी पर ऐसा नहीं हुआ. महिलाओं पर लाठी बरसाने से भीड़ आक्रोशित हुई. फिर भी पुलिस लोगों को संभाल सकती थी. क्या गोली चलानी वाली स्थिति बनी थी ? लोगों के बातचीत के अनुसार कहीं नहीं लगा कि किसी पुलिस वाले को बंदी बनाकर लोग पीट रहे थे या उनका हमला जानलेवा था. पथराव भी हल्का फुल्का था. खेत में पत्थर होते नहीं और सड़क पर आने के कुछ देर बाद ही गोली चली. खेत से सड़क पर आने के बाद ५०० मीटर से भी कम दूरी पुलिस ने तय किया होगा कि उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी. क्या सभी विकल्प समाप्त हो चुके थे ?
४. बहुत सारे सवाल हैं और बिना CBI के जांच के इन सवालों का सही जवाब संभव नहीं. इसलिय इस घटना को CBI के हवाले किया जाए.

५. ज्यादातर मृत या घायल अपने काम से कहीं जा रहे थे तब उन्हें गोली लगी. लगता है कि वह अचानक गोलीबारी में फस गए. गोली बिना ठीक से चेतावनी दिए दागी गयी है. हवाई फायरिंग हुई है पर बहुत सिमित.

६. लोगों के बयान और बातचीत से ऐसा लगता है कि पुलिस ने घायल व्यक्तियों पर फिर से गोली चलाकर उनकी हत्या कर दी. यह बात सुनने में कई लोगों से आयी कि एक बच्चे को गोली लगी पर वह जिंदा था. पुलिस ने पैरों से गर्दन दाब कर मार दिया. ब्रम्हजीत खतईत भी गोली लगने के बाद जिंदा थे और उन्हें फिर गोली मारी गयी.

७. पुलिस के बर्बरता हाल के कई घटनाओं से उजागर होती है. घटना के बाद पुलिस पर कोई ठोस कार्रवाई न होने का कारण बर्बरता थमती नज़र नहीं आ रही. फारबिसगंज (अररिया) में सबने देखा कि कैसे एक पुलिस वाले ने एक घायल व्यक्ती को रौंद कर मार डाला. उस घटना में भी अभी तक किसी को सजा नहीं मिली. अगर सरकार इन घटनाओं के दोषियों को सज़ा नहीं दे पाती है तो इस तरह की घटनाएं रुकेंगी नहीं. जमुई में आरोपी को पीट पीट कर मार डालना भी इस बात का संकेत देती है कि पुलिस को लगता है कि वह कुछ भी कर के साफ़ बच सकती है.

८. मृतकों के परिवार के प्रति स्थानीय प्रशासन का रवैया संवेदनहीन रहा. २४ के रात से लेकर २५ के शाम तक कई लोग प्रशासन के साथ थे. प्रशासन ने उन्हें शव शिनाख्त करने के लिए बुलाया था. इन लोगों को खाना तक नहीं दिया गया. बिस्कुट और नमकीन दिया गया. इन लोगों को शव घर नहीं ले जाने दिया गया और इसका पुख्ता इंतजाम भी नहीं किया गया कि घर से सबको घाट पर बुला लिया जाए. सभी मृतकों के पत्नी/माता-पिता से मिलकर बातचीत तक नहीं की गयी. हमारी सरकार के पास मुआवजा के अलावा जख्म भरने को दो सान्तवना के शब्द भी नहीं हैं ?

९. लोग डरे हुए हैं. लगता है पुलिस के डर से कई घायल खुद अपना इलाज करा रहे हैं. ब्रह्मदेव खतईत के बेटे को जांघ में गोली लगी है पर वह भयवश पुलिस के पास “इंजुरी” बनाने नहीं गए थे. इसी तरह कई ग्रामीण हमें भयभीत मिले. देवताहा की लीलावती देवी ने लगता है भय से अपना मानसिक संतुलन ही खो दिया है. इन्हें इलाज की जरुरत है पर प्रशासन को कोई खबर भी है ?

१०. सभी लोग जिन्हें गोली लगी है या जो मारे गए है कम उम्र के युवा हैं/थे. इनके परिवार और इनके भविष्य का क्या होगा ? ब्रह्मदेव और धरमजीत के छोटे बच्चे हैं. पांच लाख के मुआवजा क्या जीने के लिए काफी होगा ?

११. मृतक/घायल के परिवार के कई लोग बीमार थे. प्रशासन को चाहिए की इन परिवारों के पास चिकित्सक भेजकर इलाज कराएँ.

१२. PMCH में अपने ईलाज से घायल मरीज बहुत संतुष्ट नहीं दिखे. दो घायलों के बिस्तर के पास इतनी गर्मी में पंखा का इंतज़ाम नहीं किया गया था. ड्रेसिंग समय से नहीं हो रहा है. सरकार को चाहिए कि इनके ईलाज की देखरेख करें.

PMCH जा कर बातचीत करने वाले दल के सदस्यों के नाम : आशीष रंजन, महेंद्र यादव और अरविन्द कुमार

बगहा जाकर लोगों से बातचीत करने वाले दल के सदस्यों के नाम: आशीष रंजन, मणिलाल, अरविन्द पासवान और अनिल द्विवेदी

संपर्क: ए-5 सिद्धार्थ अपार्टमेन्ट, जगदेव पथ, पटना - 800014

फोन:- 9973363664/9973936658

Email : ashish.ranjanjha@gmail.com